भारत सरकार
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : *304
उत्तर देने की तारीख : 24.03.2022

कौशल विकास पहल योजना

***304. श्री अब्दुल खालेक :**

क्या **अल्पसंख्यक कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम राज्य में कौशल विकास पहल योजना (सीखो और कमाओ) का ब्यौरा क्या है,

(ख) असम में उपरोक्त योजना के अंतर्गत जिला-वार किन किन और कितनी परियोजना कार्यान्वयनकारी एजेंसियों की सेवाए ली गई हैं,

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत अब तक कितने युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है एवं उनका ब्यौरा क्या है, और

(घ) क्या ऐसे प्रशिक्षित युवाओं की संख्या का पता लगाने हेतु कोई तंत्र विद्यमान है जिन्हें रोजगार प्रदान किया गया है अथवा उद्यम संबंधी कार्य में लगाया गया है और यदि हां, तो विशेषकर बारपेटा तथा बोगईगाव जिलो सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
(श्री मुख्तार अब्बास नकवी)

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

"कौशल विकास पहल योजना" के संबंध में श्री अब्दुल खालेक द्वारा पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *304 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) : 'सीखो और कमाओ' (लर्न एण्ड अर्न) योजना अल्पसंख्यकों के लिए प्लेसमेंट से जुड़ी कौशल विकास योजना है। जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक युवाओं (14-45 वर्ष की आयु वर्ग में) की योग्यता, वर्तमान आर्थिक रूझानों और बाजार-क्षमता के आधार पर विभिन्न आधुनिक/पारंपरिक कौशलों में उनके कौशल को अपग्रेड करना है, जिससे उनको उचित रोजगार मिल सकें या स्वरोजगार शुरू करने के लिए उनको उपयुक्त रूप से कुशल बनाया जा सकें।

इस योजना का उद्देश्य प्रशिक्षित अल्पसंख्यक लाभार्थियों को सामाजिक और आर्थिक रूप से राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकृत करना है। इस योजना में कवर किए गए अल्पसंख्यकों में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत अधिसूचित छह अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन समुदाय शामिल हैं। योजना में कुल लक्ष्यों का 33% महिला लाभार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है। मंत्रालय लक्ष्यित लाभार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पूरे भारत से परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (पीआईए) से आवेदन आमंत्रित करता है।

असम राज्य में, सीखो और कमाओ योजना के तहत इसकी शुरूआत से वित्तीय वर्ष 2021-22 तक 19,727 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया है (जिनमें से 9820 महिलाएं हैं)।

इसके अतिरिक्त मंत्रालय 'नई मंजिल' योजना कार्यान्वित करता है जिसका उद्देश्य 17-35 वर्ष की आयु के छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के अल्पसंख्यक युवाओं (पुरुष और महिला दोनों) को लाभान्वित करना है, जिनके पास स्कूल छोड़ने का औपचारिक प्रमाण पत्र नहीं है, अर्थात् जो ड्रापआउट्स की श्रेणी में हैं या ये मदरसों जैसे सामुदायिक शिक्षा संस्थानों में पढ़े हैं। योजना के तहत लाभार्थी सीटों का 30% बालिका/महिला अभ्यर्थियों के लिए और 5% लाभार्थी सीट अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निर्धारित किया गया है। यह योजना लाभार्थियों को बेहतर रोजगार और आजीविका प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए औपचारिक शिक्षा (कक्षा आठवीं या दसवीं) और कौशल को जोड़ती है। यह योजना चयनित परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (PIA) के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है, जिन्हें संगठनों के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित करते हुए एक खुली पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से पैनलबद्ध किया जाता है।

नई मंजिल योजना के तहत, शुरूआत के बाद से कुल 93,485 लाभार्थियों (जिनमें से 39,635 महिलाएं हैं) को कौशल प्रशिक्षित किया गया है। असम राज्य में, योजना में 4,587 लाभार्थियों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है।

मौलाना आजाद शिक्षा प्रतिष्ठान (MAEF) ने वर्ष 2017-18 से अल्पसंख्यकों के लिए गरीब नवाज कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू किया है, जिसे वर्ष 2019-20 से गरीब नवाज रोजगार योजना का नाम दिया गया है। इस योजना के तहत अल्पसंख्यक युवाओं को कौशल आधारित रोजगार के लिए सक्षम बनाने हेतु विभिन्न अल्पकालिक रोजगारोन्मुखी कौशल विकास पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। यह

योजना पैनलबद्ध परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (पीआईए) के माध्यम से कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSD&E) के सामान्य मानदंडों के अनुसार कार्यान्वित की जा रही है।

इस योजना के अधीन, शुरूआत से कुल 67,986 लाभार्थियों (जिनमें 39,297 महिलाएं हैं) को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है।

अल्पसंख्यकों की पारंपरिक कला/शिल्प की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए विकास के लिए पारंपरिक कला/शिल्प में कौशल का उन्नयन और प्रशिक्षण (उस्ताद) योजना 14 मई, 2015 को शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य मास्टर शिल्पकारों/कारीगरों की क्षमता निर्माण और उनके पारंपरिक कौशल को अद्यतन करना, अल्पसंख्यकों की अभिज्ञात पारंपरिक कलाओं/शिल्पों का दस्तावेजीकरण, पारंपरिक कौशल के लिए मानक निर्धारित करना, मास्टर शिल्पकारों के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं को विभिन्न अभिज्ञात पारंपरिक कलाओं/शिल्पों में प्रशिक्षण देना और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संबंध विकसित करना है। यह योजना गैर सरकारी संगठनों और अन्य संगठनों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है, जिन्हें परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (पीआईए) के रूप में जाना जाता है।

उस्ताद योजना के तहत अब तक कुल 23,130 प्रशिक्षुओं (जिनमें से 20620 महिलाएं) को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(ख) सीखो और कमाओ योजना और नई मंजिल योजना के तहत असम में कार्यरत पीआईए की सूची नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।

सीखो और कमाओ योजना के तहत असम राज्य में पीआईए	
क्रम सं.	**पीआईए का नाम**
1	आदर्श समाज कल्याण समिति
2	अहसूस फाउंडेशन
3	अजमल फाउंडेशन
4*	बेसिक्स अकादमी फॉर बिल्डिंग लाइफलॉग एम्प्लॉयबिलिटि
5	ब्राइट फ्यूचर.कॉम
6	डॉन बॉस्को टेक सोसायटी
7	डाउनटाउन चैरिटी ट्रस्ट
8	गुरुकुलज्ञान लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड
9	भारतीय कौशल विकास संस्थान
10	इन्फोवैली एजुकेशनल एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड
11*	ओरियन एडुटेक
12	द सोशल फाउंडेशन
13	उद्दीपन
14	अल्टीमेट एनर्जी रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड
15 **	वेलेउर फैबटेक्स प्राइवेट लिमिटेड

*बारपेटा जिले के तहत पीआईए

**बोंगईगांव जिले के अंतर्गत पीआईए

नई मंजिल योजना के तहत असम राज्य में पीआईए	
क्रम सं.	**पीआईए नाम**
1.	अजमल फाउंडेशन
2.	सीपीआईटी एडुटेक प्रा. लिमिटेड
3.	दि अवेयरनेस
4.	एज्युकेशन रिसर्च एंड डेवेलेपमेंट फाउंडेशन
5.	डाउन टाउन चैरिटी ट्रस्ट
6.	ऑल इंडिया सोसायटी ऑफ एज्युकेशन
7.	नई दिशा
8.	अजमल फाउंडेशन
9.	करुणा
10.	लिच्छवी
11.	सत्यभामा दंतब्य चिकित्सा केंद्र
12.	विवेकानंद पर्यावरण एवं आरोग्य मिशन (वीपीएएम)

(ग) अब तक मंत्रालय की उक्त वर्णित कौशल उन्मुख योजनाओं के तहत 6.44 लाख लाभार्थियों जिनमें से 3.64 लाख महिलाएं हैं, ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

वर्ष 2016-**17** से हुनर हाट को उस्ताद योजना के एक घटक के रूप में भी कार्यान्वित की जा रही है और यह एक प्रभावशाली मंच है जहां देशभर के कारीगरों/शिल्पकारों को अपने हस्त निर्मित वस्तुओं तक स्वदेशी उत्पादों को प्रदर्शित करने और बाजार उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान किया जाता है। अब तक, देशभर में मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई विभिन्न हुनर हाटों के माध्यम से 8 लाख से अधिक कारीगरों, शिल्पकारों तथा उनसे जुड़े लोगों को लाभान्वित किया गया है।

(घ) योजना के तहत रोजगार/उद्यमिता में शामिल युवाओं की संख्या की निगरानी के लिए एक तंत्र मौजूद है। पीआईए द्वारा किए गए दावों की सत्यता को प्रमाणित करने के लिए किसी भी समय जांच भी की जाती है। सीखो और कमाओ योजना के तहत पूरे भारत में 1.72 लाख लाभार्थियों की प्लेसमेंट की सूचना दी गई है। असम राज्य में प्रशिक्षित लाभार्थियों की कुल संख्या 19727 है, जिसमें से 8,476 लाभार्थियों को सीखो और कमाओ पोर्टल के अनुसार प्लेसमेंट किए जाने के रूप में सूचित किया गया है। बारपेटा में 4991 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 2534 लाभार्थियों की प्लेसमेंट किए जाने के रूप में सूचना दी गई है। बोंगाईगांव में 154 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 42 लाभार्थियों को योजना के तहत प्लेसमेंट किए जाने के रूप में सूचित किया गया है।

नई मंजिल योजना के तहत, असम राज्य में 4587 लाभार्थियों सहित पूरे भारत में कुल 34,340 लाभार्थियों को प्लेस किया गया बताया गया है।

*****